

कक्षा : छह : गतिविधि

परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल रामकथा
पाठ	चित्रकूट में भरत
शीर्षक	संवाद लेखन (प्रस्तुति)
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	चार
कौशल	रचनात्मकता ,वाचन क्षमता, सम्प्रेषणीयता
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़ , रंगीन कलम, कार्यपत्र

चरण

शैक्षिक अधिगम

- विद्यार्थी अपने में सम्प्रेषणीयता को विकसित कर सकेंगे ।
- वे वाचन कला तथा संवाद लेखन में कुशल हो सकेंगे ।

अध्यापिका गतिविधि :

- कक्षा के विद्यार्थियों को चार - चार के समूहों में विभाजित किया जाएगा ।
- प्रत्येक समूह को भरत और कैकयी या स्वरुचि के अनुसार पात्रों के बीच संवादों का निर्माण करने को कहा जाएगा ।
- अध्यापिका विद्यार्थियों को इसके लिए सरल तथा छोटे वाक्यों का प्रयोग करने के लिए कहेंगी ।
- यही प्रक्रिया हर समूह के साथ दोहराई जाएगी । यदि संभव हो तो सचित्र प्रस्तुति भी दी जा सकती है । वे विद्यार्थियों को कार्यपत्र पूर्ण करने के लिए देंगी ।

विद्यार्थी गतिविधि :

- कक्षा के विद्यार्थी अपना-अपना समूह चुनेंगे ।
- हर समूह स्वरुचि के अनुसार पात्रों के बीच प्रभावशाली रूप से संवादों का निर्माण करेगा ।
- हर समूह बारी- बारी से अपने संवाद कक्षा में प्रस्तुत करेगा । वे कार्यपत्र पूर्ण करेंगे ।

मूल्यांकन के मानदंड :

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक - १०
१	विषय की प्रस्तुति	३
२	प्रभावोत्पादकता	३
३	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	२
४	कार्य की पूर्णता	१
५	समयबद्धता	१

कार्यपत्र

पाठ: चित्रकूट में भरत

गतिविधि : संवाद लेखन (प्रस्तुति)

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. इस गतिविधि के द्वारा स्वरुचिनुसार दो पात्रों का चयन कर उनका चरित्र चित्रण कीजिए ।

1. -----

2.-----

प्रश्न.2. इस गतिविधि से सीखा :

